हिंदी

(201)

मूल्यांकन पत्र - I

(पाठ 1 से 10 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणी:

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट शब्दों में लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 70-80 शब्दों में लिखिए:

(क) पावस देखि रहीम मन, कोइल साधै मौन।

अब दादुर बक्ता भए, हमको पूछत कौन।।

– उपर्युक्त दोहे को ध्यानपूर्वक पढ़िए और अपने जीवन की किसी घटना के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि अनुकूल समय देखकर ही दूसरों का भला करने और ज्ञान की बातें करने का महत्त्व होता है।

(ख) 'वीरांगना' कविता में साहस, बलिदान और आत्मसम्मान का संदेश दिया गया है। ये विशेषताएँ आपके जीवन को सार्थक बनाने में क्या भूमिका निभा सकती हैं? उल्लेख कीजिए।

(ग) 'बहुत दिनों बाद' कविता में गंध, रूप, रस, शब्द और स्पर्श का अनुभव व्यक्त हुआ है। आप भी अपने किन्हीं दो ऐसे ही अविस्मरणीय अनुभवों का उल्लेख कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 70 से 80 शब्दों में लिखिए:

(क) ''जानवर हैं, फ़र्क करना नहीं जानते।'' – यह कहकर 'फ़र्क' लघु कथा में जानवरों की किस विशेषता की ओर संकेत किया गया है? इस विशेषता से हमें क्या सीख मिलती है? उल्लेख कीजिए।

(ख) 'धूप बत्तीः बुझी, जली' पाठ में लेखक के व्यवहार से पठान का हृदय–परिवर्तन हुआ। कोई दो ऐसे अनुभव लिखिए जब आपकी विनम्रता से किसी के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन हुआ हो।

(ग) 'आँखें हमारे हृदय का दर्पण हैं'– इस कथन का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

3. (क) निम्नलिखित में से समान उपसर्गों के आधार पर शब्दों के वर्ग बनाइए:

अतिशय, अपकार, अज्ञान, अत्यंत, उपचार, अतिक्रमण, अपव्यय, अगम, अत्याचार, अपशब्द, अनादि, उपवन, अपयश।

(ख) 'निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

कुछ भी बन, बस, कायर मत बन।

ठोकर मार, पटक मत माथा, तेरी राह रोकते पाहन।

कुछ भी बन, बस, कायर मत बन

ले–देकर जीना क्या जीना, कब तक गम के आँसू पीना।

मानवता ने सींचा तुझको, बहा युगों तक खून–पसीना।

कुछ न करेगा? किया करेगा– रे मनुष्य, बस कातर, क्रंदन?

कुछ भी बन, बस, कायर मत बन।

(i) 'पटक मत माथा' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ii) पंक्तियों में आए किसी एक मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(iii) 'मानवता ने सींचा तुझको, बहा युगों तक खून–पसीना' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

4. (क) निम्नलिखित में से समानार्थी शब्दों के वर्ग बनाइए :

अश्व, आँख, कुबेर, लोचन, तुरंग, इन्द्र, धनपति, चक्षु, यक्षराज, सुरपति, वाजी, सुरेन्द्र।

(ख) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बाज़ार को सार्थकता वही मनुष्य देता है, जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी पर्चेजिंग पावर के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति, शैतानी व्यंग्य, व्यंग्य की शक्ति बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाजारूपन बढ़ाते हैं, जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। एक की हानि में दूसरे को अपना लाभ दीखता है। ऐसे बाज़ार को बीच में लेकर लोगों में आवश्यकताओं का आदान–प्रदान नहीं होता, बल्कि शोषण होने लगता है। तब कपट सफल होता है, निष्कपट शिकार होता है। और जो ऐसे बाज़ार का पोषण करता है, वह अर्थशास्त्र सरासर औंधा है। वह अर्थशास्त्र अनीतिशास्त्र है।

(i) हमारे लिए बाज़ार की क्या उपयोगिता है?

(ii) लेखक ने किस प्रकार के अर्थशास्त्र की निंदा की है? तर्क सहित लिखिए।

(iii) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

5. 'हमारा आदिवासी समाज' लेख में आपने कुछ आदिवासी समुदायों के विशेष रीति–रिवाजों के बारे में पढ़ा। अपने आसपास के परिवेश में रहने वाले लोगों की भाषा, वेश–भूषा, खान–पान और रीति–रिवाज संबंधी जानकारियों और चित्रों का संकलन कीजिए तथा उन पर टिप्पणी करते हुए एक **परियोजना** तैयार कीजिए।

हिंदी

(201)

मूल्यांकन पत्र - II

(पाठ 11 से 20 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणी:

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट शब्दों में लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 70-80 शब्दों में लिखिए:

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने नगर की अपेक्षा ग्रामीण अंचल की भूमि को प्रेम–प्यार के लिए अधिक उपजाऊ कहा है। इस विचार के पक्ष अथवा विपक्ष में कारण सहित टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'मोको कहाँ ढूँढे रे बंदे .....' पद में कबीरदास मानते हैं कि प्रत्येक मनुष्य में ईश्वर का वास है। कबीर की इस सीख पर चलकर हम समाज के भीतर व्याप्त भेदभाव को दूर कर सकते हैं। इस संबंध में तर्क देते हुए अपने विचार लिखिए।

(ग) 'भारत की ये बहादुर बेटियाँ' फीचर में अनेक क्षेत्रों में महिलाओं के योगदान का वर्णन किया गया है। आपकी जानकारी में अन्य क्षेत्रों मे भी महिलाओं ने उल्लेखनीय कार्य किए होंगे। किन्हीं दो सुप्रसिद्ध महिलाओं के कार्यों का वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) 'अपना–पराया' पाठ में आपने ज्ञानेन्द्रियों के कार्यों के विषय में जाना। बहुत से लोग शुभ कार्य के अवसर पर छींकने को अशुभ मानते हैं। ऐसे लोगों के अंधविश्वास को दूर करने के उद्देश्य से 70-80 शब्दों में वैज्ञानिक तर्क देते हुए टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'को भरिहै हरि के रितए, रितवै पुनि को हरि जो भरि है....' सवैये में कवि ने स्वयं को राम की कृपा पर छोड़ दिया है। क्या आप अपने जीवन में इस प्रकार के असीम विश्वास को अपनाने लायक मानते हैं? पक्ष अथवा विपक्ष में अपने विचार 70-80 शब्दों में लिखिए।

(ग) एक–एक नारा लिखिए जिसमें कम होती हरियाली, बढ़ती महँगाई, फैलते भ्रष्टाचार, सूखती नदियों और घटती कन्याओं के विषय में चिंता व्यक्त होती हो।

3. निम्नलिखित में से किसी एक का लगभग 150 शब्दों में भाव–पल्लवन कीजिए :

(i) जो जागत है सो पावत है।

(ii) नर हो न निराश करो मन को।

अथवा

किसी समाचार पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखिए जिसमें भ्रष्टाचार–विरोधी आन्दोलनों के विषय में आपके विचार व्यक्त हुए हों।

4. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) यमक अलंकार किसे कहते हैं, किन्हीं दो उदाहरणों से समझाइए।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में आए रिक्त स्थान को कोष्ठक में दिए गए ऐसे शब्द से भरिए जो सर्वाधिक उपयुक्त होः

(i) प्रधानाचार्य ने विद्यालय का ..... किया। (निरीक्षण/परीक्षण)

(ii) इस समय मेरी ..... पैंतीस वर्ष की है। (अवस्था/आयु)

(iii) यह काम आप पर ..... करता है। (अवलंबित/निर्भर)

(iv) कमल के ..... नाम हैं। (अनेक/अनेकों)

(v) माँ और बेटे में ..... संबंध होता है। (घोर/अभिन्न)

5. 'बीती विभावरी जाग री' कविता में प्रकृति का मानवीकरण है। किन्हीं पाँच अन्य कविताओं का संकलन कीजिए जिनमें प्रकृति का मानवीकरण व्यक्त हुआ हो। इनके काव्य–सौंदर्य पर लिखते हुए **परियोजना** तैयार कीजिए।

हिंदी

(201)

मूल्यांकन पत्र - III

(पाठ 21 से 30 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणी:

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट शब्दों में लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 70-80 शब्दों में लिखिए:

(क) 'जैसे कोई और हो' पाठ में बस–यात्रा के दौरान हुए अनुभवों का व्यंग्यात्मक वर्णन है। आप यात्रा के लिए कभी किसी बस–अड्डे पर अवश्य गए होंगे। बस–अड्डे और आसपास के वातावरण का चित्रण करते हुए अपने अनुभव लिखिए।

(ख) "अकस्मात् हम एक दूसरे लोक में चले आए थे। इतना सुकुमार, इतना सुंदर, इतना सजा और इतना निष्कलंक .... कि लगा इस धरती पर तो जूते उतार कर, पाँव पोंछकर आगे बढ़ना चाहिए।"– 'ठेले पर हिमालय' पाठ का यह कथन आपको उस समय याद आता होगा जब आप किसी पर्यटन–स्थल पर घूमने जाते होंगे। हम अपनी प्राचीन इमारतों, सुन्दर प्राकृतिक स्थलों को नष्ट, गंदा और प्रदूषित होने से किस प्रकार बचा सकते हैं। उल्लेख कीजिए।

(ग) समाचार–पत्रों में प्रकाशित तीन भिन्न प्रकार के उत्पादों के विज्ञापनों की भाषा में अंतर स्पष्ट करते हुए एक टिप्पणी लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए:

(क) 'सरकारी मकान' कहानी में बनवारी अपनी बीमार बूढ़ी माँ को मरने के लिए छोड़ देता है और 'बहादुर' कहानी में बहादुर घर छोड़कर भाग जाने के बावजूद कहता है, 'माँ–बाप का कर्ज तो जन्म भर भरा जाता है।' इनमें से आप किसके पक्ष में हैं? कारण सहित 70-80 शब्दों में उत्तर लिखिए।

(ख) कागज़ पर छपे हुए अख़बार और इलैक्ट्रॉनिक अखबार में से आप अपने लिए किसे उपयोगी मानते हैं? 70-80 शब्दों में लिखिए।

(ग) हिंदी की एक प्रसिद्ध पत्रिका है– 'हंस'। 'हंस' कार्यालय का पता है– अक्षर प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली–110006। आप इस पत्रिका की वार्षिक सदस्यता लेना चाहते हैं, जिसके लिए शुल्क 250 रु. है। एक मनीऑर्डर फॉर्म में उपर्युक्त विवरण के साथ अपना पता, दिनांक आदि भरिए और इसे उत्तर–पुस्तिका में संलग्न कीजिए।

3. (क) निम्नलिखित गद्यांश का सार एक तिहाई शब्दों में लिखिए और एक उपयुक्त शीर्षक भी दीजिए:

आधुनिक शिक्षा प्राप्त स्त्रियाँ अच्छी गहणियाँ बन सकतीं हैं– यह प्रचलित धारणा पुरुष–दष्टिकोण के आधार पर बनाई गई हैं, स्त्री की कठिनाई को ध्यान में रखकर नहीं। एक ही प्रकार के

वातावरण में पले और शिक्षा पाए हुए पति–पत्नी के जीवन और परिस्थितियों की यदि हम तुलना करें तो संभव है, आधुनिक शिक्षित स्त्री के प्रति कुछ सहानुभूति अनुभव कर सकें। विवाह से पुरुष को तो कुछ नहीं छोड़ना पड़ता और न उसकी परिस्थितियों में ही कोई अंतर आता है, परंतु इसके विपरीत स्त्री के लिए विवाह मानो एक परिचित संसार को छोड़कर नवीन संसार में जाना होता है। पुरुष के लिए उसके मित्र, उसकी दिनचर्या, उसके कर्त्तव्य पहले जैसे ही रहते हैं, पर स्त्री के लिए पुरुष मित्र का होना वर्जित है। उसे एक अभाव का बोध होने लगता है। अच्छी गहिणी कहलाने के लिए उसे केवल पति की इच्छा के अनुसार चलना होता है।

(ख) मान लीजिए आप स्टेशनरी–विक्रेता हैं। एक ग्राहक दो दर्जन पेंसिल, आधा दर्जन पेन, तीन दर्जन कापियाँ और दो दर्जन रजिस्टर खरीदता है। पेंसिल, पेन, कापी और रजिस्टर की दर क्रमशः 24 रु., 36 रु., 120 रु., और 144 रु., प्रति दर्जन है– इनके आधार पर ग्राहक के लिए एक रसीद तैयार कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर ढाई सौ शब्दों में निबंध लिखिए :

(क) परिवार में बुजुर्गों की भूमिका

(ख) बढ़ते शहरीकरण के खतरे

(ग) शिक्षा का महत्त्व

5. प्रत्येक समाचार–पत्र में कार्टून प्रतिदिन छपते हैं। किसी भी समाचार–पत्र के एक महीने के कार्टून संकलित कीजिए, ध्यानपूर्वक अध्ययन करके पता लगाइए कि उनमें समाज के कौन–कौन से वर्गों पर व्यंग्य किया गया है और क्यों? इस विषय में अपनी टिप्पणी लिखते हुए एक **परियोजना** तैयार कीजिए।